सांध्य दैनिक 4PM

हमें भूत के बारे में पछतावा नहीं करना चाहिए, न ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए, विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते हैं।

-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 8 • अंक: 176 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, सोमवार, 1 अगस्त, 2022

पांच दो साल में शानदार काम किया... 8 | यूपी में तलाश, उत्तराखंड में ब्राह्मण... 3 | सत्ता के लिए झूठ की राजनीति... 7

सांसदों का निलंबन वापस सत्ता-विपक्ष में गतिरोध खत्म

लोक सभा में महंगाई पर चर्चा शुरू, स्पीकर के प्रयासों से चला सदन

» हंगामे के कारण पिछले कई दिनों से सदन की कार्यवाही थी बाधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक सभा से निलंबित हुए सांसदों का निलंबन खत्म हो गया। इसके साथ संसद में केंद्र और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध खत्म हो गया। लोकसभा में विपक्ष के साथ सहमति के बाद सांसदों का सस्पेंशन खत्म करने के लिए प्रस्ताव लाया गया था। इसके साथ लोक सभा से निलंबित सांसदों का सस्पेंशन खत्म हो गया। सदन में महंगाई पर चर्चा भी शुरू हो गई है।

संसद के मानसून सत्र में महंगाई, जीएसटी जैसे मुद्दों को लेकर जमकर हंगामा हो रहा था। विपक्ष लगातार इन मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहा था। जुलाई के आखिरी में संसद में प्लेकॉर्ड दिखाने के चलते कांग्रेस के चार सांसदों को लोक सभा से पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया था। जिन चार सांसदों को निलंबित किया गया था, वे के मनिकम टैगोर, टीएन प्रतापन, जोथिमणि और राम्या हरिदास हैं। सदन को चलाने के लिए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल रंग लाई। ओम बिरला ने आज सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई थी। स्पीकर बिरला के कहने के बाद सरकार लोक सभा में सांसदों के निलंबन को हटाने का प्रस्ताव लाई। स्पीकर ओम बिरला ने कहा सदन में हुई घटनाओं से सब आहत हैं। मैं भी आहत हुआ हूं, देश को भी पीड़ा पहुंची है। विषयों पर सहमति-असहमति हो सकती है, लेकिन हमने सदन की गरिमा को बनाए रखा है। चर्चा-संवाद, तर्क-वितर्क हो, विषयों पर बात हो। सभी दलों के नेता और सदस्य चाहते हैं कि सदन चले। इस दौरान लोक सभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि मैं सभी सदस्यों से अपील करता हूं कि प्ले कार्ड लेकर के कोई भी सदन में ना आए। अंतिम बार मौका दे रहा हूं। फिर मैं किसी की नहीं सुनूंगा, अगर कोई प्ले कार्ड लेकर आएंगे तो कार्रवाई करनी पड़ेगी।

भाजपा सांसदों का प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ प्रदर्शन किया है। सासंदों ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले को लेकर ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी भी की।

कल राज्य सभा में हो सकती है चर्चा

राज्य सभा में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज फिर महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों पर चर्चा की मांग की। खड़गे की मांग का केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष मांग कर रहा है महंगाई के मुद्दे पर चर्चा की जाए। आज इस मुद्दे को लोक सभा में सूचीबद्ध किया गया है कल इसे राज्य सभा में सूचीबद्ध किया जाएगा। हालांकि अभी राज्य सभा से निलंबित सांसदों का निलंबन वापस नहीं किया गया है।

32 विधेयक लटके

केंद्र ने मौजूदा मानसून सत्र में संसद में पारित होने के लिए 32 विधेयकों को सूचीबद्ध किया था लेकिन आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी की बढ़ी हुई दरों और महंगाई के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे की वजह से दो सप्ताह बीतने के बावजूद कामकाज पूरा नहीं हो पाया।

विधान परिषद उपचुनाव

भाजपा से धर्मेन्द्र और निर्मला तो सपा से कीर्ति ने किया नामांकन

» दो रिक्त सीटों पर 11 को होगा मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद सदस्य की दो रिक्त सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए भाजपा के दोनों प्रत्याशियों ने सोमवार को अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। भाजपा ने धर्मेन्द्र सिंह सैंथवार तथा निर्मला पासवान को प्रत्याशी बनाया है। वहीं सपा से कीर्ति कोल ने अपना नामांकन दाखिल किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक की मौजूदगी में भाजपा के दोनों प्रत्याशियों ने अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल कर किया। विधान परिषद की इन रिक्त सीटों पर 11 अगस्त को उप चुनाव होना है।

सीएम योगी ने स्कूल के छात्रों को दिया तोहफा, कहा

पहले बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाहते थे अभिभावक अब बढ़ रही छात्रों की संख्या

अभिभावकों के खाते में बच्चों के यूनिफार्म समेत अन्य वस्तुओं के लिए ट्रांसफर किए पैसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज बटन दबाकर 1. 91 करोड़ विद्यार्थियों के लिए उनके अभिभावकों के खाते में जूता-मोजा, स्कूल यूनिफॉर्म, स्वेटर, स्कूल बैग, पेन, पेंसिल, कॉपी, रबर व कटर के लिए 1200 रुपये ट्रांसफर कर दिए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 1.91 करोड़ परिषदीय स्कूलों के बच्चों को डीबीटी से पैसा ट्रांसफर कर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का अभियान शुरू हुआ। स्कूल चलो अभियान के अच्छे परिणाम आये हैं।

उन्होंने कहा कि 2017 से पहले स्कूलों की स्थिति अच्छी नहीं थी। स्कूलों में कहीं शिक्षक थे तो छात्र नहीं थे। कहीं भवन नहीं थे। अभिभावक बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाहते थे लेकिन अब बेसिक शिक्षा को विश्वास का प्रतीक बनाया गया है। पांच साल में विद्यार्थियों की संख्या 1.34 करोड़ से बढ़कर 1.91 करोड़ हो गई है। पहले 60 फीसदी विद्यार्थियों को नंगे पैर स्कूल जाना पड़ता था पर अब बच्चे भी कॉन्वेंट स्कूल की तर्ज पर स्थापित परिषदीय स्कूल में जा रहे है। उन्होंने कायाकल्प दिव्यांजली पोर्टल का भी अनावरण किया।

सपा सरकार में हर पद की लगती थी बोली : बृजेश पाठक

» डिप्टी सीएम ने सपा प्रमुख पर साधा निशाना

» भाजपा सरकार में निष्पक्षता से हो रहीं हैं भर्तियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने राजस्व लेखपाल मुख्य परीक्षा को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि नकल माफिया सपा सरकार की देन हैं। सपा सरकार में हर पद की बोली लगती थी। एक-एक भर्ती में वर्षों लग जाते थे, तब भी परिणाम नहीं आ पाता था। पूरा कुनबा परीक्षा के पहले ही नौकरियों का सौदा कर लेता था।

उन्होंने कहा कि सपा मुखिया के मुंह से भर्ती, परीक्षा और परिणाम की बात अच्छी नहीं लगती। उन्होंने सरकार रहते कभी युवाओं के भविष्य के बारे में नहीं सोचा। सपा सरकार में पहले तो सरकारी नौकरी के लिए भर्ती निकलती ही नहीं थी। युवाओं के दबाव में अगर कोई भर्ती निकल भी गई तो उसके लिए भी युवाओं को वर्षों इंतजार करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में हर भर्ती पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और शुचिता के साथ पूरी हुई है। एक भी भर्ती में किसी अभ्यर्थी ने भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगाए हैं। यह साबित करता है कि सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर अति संवेदनशील है। राजस्व लेखपाल मुख्य परीक्षा को लेकर एसटीएफ पहले से सक्रिय थी, जिसका नतीजा है कि 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लेखपाल भर्ती परीक्षा को लेकर सरकार को घेरा था। उन्होंने ट्वीट किया था कि अभ्यर्थियों के ये आरोप सच है कि ये सब भाजपा सरकार की चाल है जिससे कोई भी परीक्षा पूरी न हो पाए और लोगों को नौकरी न मिले।

बच्ची की मौत के मामले में जांच के आदेश

एटा। जनपद के सरकारी मेडिकल कॉलेज और एंबुलेंस में ऑक्सीजन की कमी के चलते बच्ची की मौत के मामले में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने संज्ञान लिया है। उन्होंने ट्वीट कर सीएमओ और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को जांच कर कार्रवाई करने और एक सप्ताह के अंदर जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि मेडिकल कॉलेज की लचर व्यवस्थाएं और एंबुलेंस में ऑक्सीजन उपलब्ध न होने से शनिवार को चार वर्षीय बच्ची मन्नू पुत्री मुकेश कुमार निवासी नगला फकीर की मौत हो गई थी। इस मामले को डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने गंभीरता से लिया है। ट्वीट कर सीएमओ डॉ. उमेश कुमार त्रिपाठी और प्राचार्य डॉ. नवनीत सिंह चौहान को निर्देश दिए हैं कि मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कर एक सप्ताह में रिपोर्ट भेजी जाए।

संजय राउत गिरफ्तार, घर से 11.5 लाख बरामद

» भाई सुनील राउत बोले, अयोध्या दौरे के लिए रखे थे पैसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में शिवसेना नेता संजय राउत को गिरफ्तार कर लिया है। मुंबई के पात्रा चॉल घोटाला के मामले में ईडी ने संजय राउत के घर पर करीब 9 घंटे सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान ईडी ने राउत के घर से 11.5 लाख रुपए बरामद किए हैं।

राउत को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। पूछताछ के बाद ईडी ने संजय राउत को गिरफ्तार कर लिया। शिवसेना सांसद को पीएमएलए एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। ईडी अधिकारियों का कहना है कि वे जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे। संजय राउत के घर से ईडी को 11.5 लाख रुपए कैश मिले हैं। संजय राउत के भाई सुनील राउत ने दावा किया है कि ये फर्जी केस है। ईडी के पास संजय राउत को पात्रा चॉल से जोड़ने के लिए कुछ भी नहीं है। ईडी को जो पैसा मिला है, वो शिवसैनिकों के अयोध्या दौरे के लिए था। इन पैसों के बंडल पर एकनाथ शिंदे अयोध्या टूर भी लिखा था। संजय राउत को मुंबई की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में पेश किया जाएगा।

ईडी संजय राउत की कस्टडी की मांग करेगी। ईडी की एक टीम ने रविवार को मुंबई के भांडुप में संजय राउत के घर पर छापा मारा था। इस दौरान उनके घर की तलाशी ली गई। इसके बाद ईडी ने संजय राउत से पूछताछ के लिए समन भेजा। इतना ही नहीं ईडी ने राउत के घर से 11.5 लाख रुपए भी बरामद किए थे। ईडी दफ्तर में दाखिल होने से पहले राउत ने कहा था कि ईडी शिवसेना और महाराष्ट्र को कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

भाजपा प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम में बोले केशव मौर्य

जो हमसे दूर हैं, उन्हें लाना है साथ

» चित्रकूट में आयोजित किया गया कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रकूट। चित्रकूट में भाजपा के प्रदेश प्रशिक्षण वर्ग के अंतिम दिन मुख्य वक्ता और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियां एवं हमारी चुनौती विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रति लोगों में जुड़ाव बढ़ा है। सरकार और संगठन के बीच तालमेल बढ़िया होने से बेहतरी आई है। अब जरूरत इस बात की है कि भविष्य की चुनौतियों पर डट कर काम करना है। अव्वल तो हमारे साथ जो हैं वे बने रहें, ऐसा कुछ करना है। साथ ही जो दूर हैं उनको साथ लाना है।

11वें सत्र की अध्यक्षता वित्त मन्त्री सुरेश खन्ना ने की। प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने विषय हमारी कार्य पद्धति पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल आधार कार्यकर्ता है। इससे उन्होंने समझाया कि भाजपा ही वह पार्टी है, जो कार्यकर्ता को साथ लेकर चलती है। बताया कि विचारधारा के आधार पर चलने वाले संगठन के बूथ तक के कार्य यही कार्यकर्ता करते हैं, जिससे पार्टी लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने बताया कि मूल तत्व सामूहिकता, पारस्परिकता, संपर्क कार्य पद्धति है। भाजपा के सूत्र सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी,सर्वग्राही हैं। यही वजह है कि पार्टी सभी को काम के साथ ही सबके लिए काम के मूलमंत्र पर चलती है।

राजस्थान में नये सियासी घमासान के आसार

बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए नाराज विधायकों ने दिल्ली में डाला डेरा

» सत्ता और संगठन में महत्व नहीं मिलने से हैं आक्रोशित

» कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से कर सकते हैं मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में बसपा का दामन छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वाले छह विधायक सत्ता और संगठन में महत्व नहीं मिलने की वजह से नाराज हैं। मंत्री राजेंद्र गुढ़ा, विधायक संदीप यादव और लाखन सिंह मीणा ने दिल्ली में डेरा डाल रखा है। दिल्ली में इन विधायकों की कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करने की संभावना जताई जा रही है। ये विधायक कई बार कह चुके हैं कि कांग्रेस आलाकमान से मिलवाने का वादा किया गया था लेकिन अब तक मुलाकात नहीं हो सकी है।

इन विधायकों की अगुवाई कर रहे राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने हाल में कहा था कि हमसे जो वादे किए गए थे वह पूरे नहीं हुए हैं। हमारे सभी साथियों को सरकार में मंत्री अथवा संसदीय सचिव बनाने का वादा किया गया था लेकिन अब तक केवल मुझे मंत्री और दो विधायकों को बोर्ड-निगम का अध्यक्ष बनाया गया है। इनमें भी एक को न तो अब तक गाड़ी मिली और न बैठने के लिए दफ्तर अगर कमिटमेंट पूरे नहीं हुए तो सोचना पड़ेगा। इन विधायकों को 2023 के विधान सभा चुनाव के लिए टिकट की चिंता खासा सताने लगी है। राजेन्द्र गुढ़ा ने कहा था कि बसपा से कांग्रेस में आए विधायक अपने टिकट को लेकर आशंकित हैं। पार्टी में शामिल होते समय उनसे कई वादे किये गये थे लेकिन उनके पूरे नहीं होने से अविश्वास बढ़ गया है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने किया आंदोलन का ऐलान

» आठ अगस्त को बिजली घरों पर प्रदर्शन, बैठक में लिया गया निर्णय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दनकौर। राजेंद्र सिंह प्रधान के फार्म हाऊस दनकौर पर संयुक्त किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक का संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता (भाकियू असली) प्रबल प्रतापं शाही ने किया एव बैठक की अध्यक्षता कायल सिंह यादव राष्ट्रीय सलाहकार भारतीय किसान संगठन ने किया।

बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश के आह्वान पर 15 मुद्दों पर आंदोलन किए जाने का ऐलान किया गया। इसमें एमएसपी गारंटी कानून , वृद्धा पेंशन, आवारा पशुओं की रोकथाम, ट्यूब बेल पर लगे मीटरो को हटाने, युवाओं को रोजगार, अग्निवीर योजना को हटाने आदि मुद्दे शामिल हैं। 8 अगस्त 2022 को उत्तर प्रदेश में किसानों के निजि नलकूपों पर जबरदस्ती बिजली मीटर लगाने के विरोध में बिजली घरों पर प्रदर्शन एवं बिजली बिल 2022 के वापसी को लेकर ज्ञापन देंगे। इस मौके सोरन प्रधान अध्यक्ष, किसान एकता संघ,चौधरी हरपाल सिंह अध्यक्ष,भाकियू असली , जय प्रकाश उपाध्यक्ष, एआईकेएम, गीता भाटी, देशराज नागर,चौधरी सवित मलिक,विजय पांडेय, योगेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

MEDISHOP
PHARMACY & WELLNESS
24 घंटे
+91- 8957506552
+91- 8957505035
दवा अब आपके फोन पर उपलब्ध
गोमती नगर का सबसे बड़ा
मेडिकल स्टोर
हमारी विशेषतायें
10% DISCOUNT
5% LOYALTY POINT
जहां आपको मिलेगी हर प्रकार की दवा भारी डिस्काउंट के साथ
1. सायं 4.00 बजे से 6.00 बजे रात्रि तक चिकित्सक उपलब्ध।
2. 12.00 बजे से 8.00 बजे रात्रि तक ट्रेंड नर्स उपलब्ध।
• बीपी-शुगर चेक करवायें
• हर प्रकार के इंजेक्शन लगवायें।
पशु-पक्षियों की दवा एवं उनका अन्य सामान उपलब्ध।
स्थान: 1/758 - ए, भूतल, सेक्टर- 1, वरदान खण्ड,
निकट- आईसीआईसीआई बैंक, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ - 226010
medishop_foryou
medishop56@gmail.com

यूपी में तलाश, उत्तराखंड में ब्राह्मण चेहरे को कमान

महेंद्र भट्ट को सौंपी उत्तराखंड बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष की कुर्सी

» जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधने पर भाजपा का फोकस

» यूपी में स्वतंत्र देव के इस्तीफे की चर्चा के बाद भी भाजपा पूरी तरह चुप

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। यूपी में संगठन को मजबूत करने के लिए बीजेपी को प्रदेश अध्यक्ष की तलाश है जबकि उत्तराखंड में संगठन ने नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी है। मदन कौशिक की जगह अब प्रदेश की कमान महेंद्र भट्ट के हाथ में होगी। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने महेंद्र भट्ट को उत्तराखंड बीजेपी का अध्यक्ष बनाने का लेटर जारी कर दिया।

उत्तराखंड में बद्रीनाथ से पूर्व विधायक भट्ट को बीजेपी ने नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इससे पहले मदन कौशिक और उनके बाद राजपुर विधायक खजान दास के साथ महेंद्र भट्ट के दिल्ली दौरे के बाद उत्तराखंड में बीजेपी के नए अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर खबर तेज हो गई थी। बताया जा रहा है कि मदन कौशिक को राज्य सरकार में जगह मिल सकती है। केंद्र में शीर्ष नेतृत्व ने उत्तराखंड भाजपा में गढ़वाल से ब्राह्मण चेहरे को अध्यक्ष बनाने के लिए कवायद तेज की, जिसके बाद ही महेंद्र भट्ट को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उत्तराखंड के राजनीतिक परिपेक्ष्य में अकसर देखा गया है कि ब्राह्मण-ठाकुर समीकरण को देखते हुए पार्टी फैसला लेती है। भट्ट बद्रीनाथ सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं। बीजेपी हाईकमान ने गढ़वाल और कुमाऊं का समीकरण देखते हुए भी महेंद्र भट्ट को उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष की कमान सौपी है। वहीं उत्तराखंड बीजेपी अध्यक्ष के तय हो जाने के बाद सियासी रूप से देश के सबसे अहम प्रदेश यूपी में बीजेपी के नए सेनापति को लेकर चर्चा फिर तेज हो गई है। फिलहाल स्वतंत्र देव सिंह का जो भी उत्तराधिकारी होगा, उसी के अगुवाई में 2024 के लोक सभा चुनाव होंगे। बता दें कि यूपी में नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति तक प्रदेश अध्यक्ष का कार्यभार स्वतंत्र सिंह के पास बना रहेगा।

पीएम मोदी भी रखे हुए हैं नजर

उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष के तौर पर तीन साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद स्वतंत्र देव सिंह ने संगठन की कमान छोड़ दी है। इसी वजह से शीर्ष नेतृत्व मिशन 24 को लेकर मंथन में जुटा है। यूपी अध्यक्ष के लिए पीएम मोदी खुद नजर गड़ाए हुए हैं। भाजपा जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधने पर पूरा फोकस कर रही है ताकि 24 के चुनाव में जीत दर्ज कर हैट्रिक लगा सके। फिलहाल दिल्ली में नए प्रदेश अध्यक्ष का चेहरा तय हो चुका है। सूत्रों के मुताबिक दो से तीन दिन में ऐलान भी कर दिया जाएगा। लखनऊ से दिल्ली तक कुछ नामों पर चर्चा चल रही है। इसमें सबसे टॉप पर केशव प्रसाद मौर्य हैं, वे ओबीसी चेहरा हैं। ब्राह्मण वर्ग से आने वाले दिनेश शर्मा और बीएल वर्मा के नामों पर भी मंथन चल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष 2024 के लोक सभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए होगा।

कौन हैं बीजेपी के नए अध्यक्ष महेंद्र भट्ट

महेंद्र भट्ट बदरीनाथ विधान सभा सीट से 2022 में चुनाव हार गए थे। 50 वर्षीय भट्ट ने 1991 से अपना राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। उन्होंने 1996 तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में प्रदेश सह मंत्री, जिला संयोजक, जिला संगठन मंत्री और विभाग संगठन मंत्री के पद पर काम किया। 2002 में उत्तराखंड (तत्कालीन उत्तरांचल) बनने के बाद उत्तरांचल प्रदेश युवा मोर्चा का पहला प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। उन्होंने 32 साल की उम्र में पहली बार नंदप्रयाग सीट से चुनाव लड़ा और 2002 से 2007 तक विधायक रहे। भट्ट 2007 से 2014 तक उत्तराखंड बीजेपी संगठन के कई पदों पर रहे। 2017 में बदरीनाथ विधान सभा सीट से जीतकर विधायक बने।

प्रयोग करती रही है बीजेपी

संगठन सूत्रों का कहना है कि बीजेपी अपने फैसले से सरप्राइज करती रही है। 2004 के लोक सभा चुनाव के दौरान केशरीनाथ त्रिपाठी उत्तर प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष थे जबकि 2009 लोक सभा चुनाव के दौरान रमापति राम त्रिपाठी के हाथ में उत्तर प्रदेश बीजेपी की कमान थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में ब्राह्मण नेता लक्ष्मीकांत वाजपेयी प्रदेश अध्यक्ष थे, जिनके अगुवाई में बीजेपी ने 71 सीटों के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। 2019 के लोक सभा चुनाव के समय बीजेपी ने महेंद्र नाथ पांडेय को उत्तर प्रदेश में संगठन की कमान सौंपी हुई थी, जिनकी अगुवाई में बीजेपी 63 सीटें जीतने में सफल रही। यूपी में ब्राह्मण और ठाकुर बीजेपी के कोर वोट बैंक माने जाते हैं। दरअसल, बीजेपी का अब पूरा फोकस 2024 के लोक सभा चुनाव पर है। इसके मद्देनजर सरकार गठन में बीजेपी ने जातीय और क्षेत्रीय समीकरण को साधने की कवायद की है तो अब संगठन की कमान एक मजबूत हाथों में सौंपकर अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहती है। वहीं लोक सभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी यूपी संगठन में बड़े बदलाव की भी तैयारी कर रही है।

मिशन 2024 की तैयारी में जुटी बसपा, खिसकते जनाधार को मजबूत करने पर फोकस

» बूथों को मजबूत करने की रणनीति पर कर रही काम संगठन में किया गया फेरबदल

» वरिष्ठ नेताओं को सौंपी कमान, विधान सभा चुनाव में महज एक सीट पर मिली थी जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद बसपा अब 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है। उसका पूरा ध्यान अपने खिसकते जनाधार को फिर से वापस पाने पर टिक गया है। इसके लिए पार्टी ने बूथों को मजबूत करने के लिए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को युद्ध स्तर पर लगा दिया है।

उत्तर प्रदेश में पहली बार किसी भी उप चुनाव में प्रत्याशी उतारने के साथ ही निकाय चुनाव भी लड़ने की तैयारी में लगी बहुजन समाज पार्टी की योजना दीर्घकालिक है। बसपा की मुखिया मायावती ने प्रदेश को छह सेक्टर में बांटकर 12 नेताओं को इन सेक्टर के विस्तार की जिम्मेदारी सौंप दी है। बसपा का प्रयास 2024 के लोक सभा चुनाव की घोषणा से पहले अपना जनाधार बढ़ाने के साथ हर बूथ को मजबूत करने का है। इसी कारण राज्य कोआर्डिनेटर के तीन पद और बढ़ाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव 2022 में 403 प्रत्याशी उतारने के बाद भी सिर्फ एक सीट पर उसे जीत मिली है। करारी हार के बाद बसपा को नए सिरे से खड़ा करने की कोशिश में जुटी पार्टी प्रमुख मायावती ने संगठन में बदलाव किया है। पार्टी में करीब दो महीने पहले जिस व्यवस्था को खत्म किया गया था उसको फिर से प्रारंभ किया गया है। 2024 के लोक सभा चुनाव में बसपा के सामने भाजपा के साथ ही सपा की भी चुनौती होगी इसलिए बसपा प्रमुख ने खिसकते जनाधार को थामने के लिए अब बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने में तीन स्टेट कोआर्डिनेटर के बजाय 12 वरिष्ठ नेताओं को लगाने का निर्णय किया है। इसके लिए तीन-तीन मंडल के छह सेक्टर बनाए गए हैं। सेक्टर एक में मेरठ, सहारनपुर व मुरादाबाद मंडल को रखते हुए राजकुमार गौतम और नौशाद अली को दायित्व सौंपा गया है। इसी तरह सेक्टर दो के अलीगढ़, आगरा व बरेली मंडल में मुनकाद अली व सूरज सिंह जाटव, तीन में कानपुर, झांसी व चित्रकूट मंडल को रखते हुए डा. विजय प्रताप व बीपी आंबेडकर, चार के गोरखपुर, बस्ती व देवीपाटन मंडल में दिनेश चंद्रा व सुधीर भारती, पांच में अयोध्या, आजमगढ़ और वाराणसी को रखते हुए शमशुद्दीन राइन व मदन राम बाल्मीकि तथा सेक्टर छह में लखनऊ, प्रयागराज व मिर्जापुर मंडल को रखते हुए घनश्याम चंद्र खरवार और अखिलेश आंबेडकर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं बूथ स्तर तक की व्यवस्था को यथावत रखा गया है।

मिशनरी कार्यकर्ताओं को जोड़ने की कवायद

बसपा को एक बार फिर से अपने मिशनरी कार्यकर्ताओं की याद आई है। इसको लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने पदाधिकारियों को निर्देश भी दिए हैं। मायावती ने कहा है कि मिशनरी सोच वालों पर भरोसा करें जिससे घोर स्वार्थी, विश्वासघाती और बिकाऊ सोच रखने वालों से मुक्ति मिल सके। बसपा की शुरुआत एक मिशन के तौर पर ही हुई थी। दरअसल, कांशीराम ने दलित, अतिपिछड़ा और अल्पसंख्यक समुदाय को साथ लेते हुए मिशन शुरू किया था लेकिन बाद में नजरिया बदलने पर जिताऊ प्रत्याशियों पर भरोसा बढ़ने लगा। 2007 में बसपा की बहुमत से सरकार बनी थी लेकिन इसके बाद से धीरे-धीरे बाबू सिंह कुशवाहा, दद्दू प्रसाद, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, लालजी वर्मा, राम अचल राजभर, स्वामी प्रसाद मौर्या और आरके चौधरी समेत कई दिग्गज बसपा छोड़कर चले गए।

वोट प्रतिशत गिरा

2007 से बसपा का जनाधार लगातार घटता जा रहा है। पिछले विधान सभा चुनाव में बसपा को सिर्फ 13 फीसदी वोट मिले और एक सीट मिली थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शहरों की बदहाली और विकास के दावे

सवाल यह है कि सरकार के दावे सड़क पर क्यों नहीं दिखते हैं? शहरों की हालत बद से बदतर क्यों होती जा रही है? सरकार के आदेश के बावजूद व्यवस्था को दुरुस्त क्यों नहीं किया जा रहा है? हर साल शहर के मद में आने वाला भारी भरकम बजट कहां खर्च किया जा रहा है? क्या नगर निगम और नगर पालिकाएं केवल जनता से टैक्स वसूलने की संस्था भर बनकर रह गयी हैं?

तेज बारिश ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विकास के दावों की पोल खोल दी है। जलभराव, उखड़ी सड़कें और उफनते नाले पूरे सिस्टम की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। लखनऊ की यह दुर्दशा महज बानगी भर है। प्रदेश के अधिकांश शहरों का यही हाल है। यह स्थिति तब है जब हर साल करोड़ों रुपये शहरों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के नाम पर खर्च किए जाते हैं। सवाल यह है कि सरकार के दावे सड़क पर क्यों नहीं दिखते हैं? शहरों की हालत बद से बदतर क्यों होती जा रही है? सरकार के आदेश के बावजूद व्यवस्था को दुरुस्त क्यों नहीं किया जा रहा है? हर साल शहर के मद में आने वाला भारी भरकम बजट कहां खर्च किया जा रहा है? क्या नगर निगम और नगर पालिकाएं केवल जनता से टैक्स वसूलने की संस्था भर बनकर रह गयी हैं? इस अव्यवस्था के लिए कौन जवाबदेह है? क्या ऐसे ही स्मार्ट सिटी बनाने का सपना पूरा होगा? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है?

शहरों को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी नगर निगम और नगरपालिकाओं को सौंपी गयी है। इसके लिए हर साल करोड़ों रुपये आवंटित किए जाते हैं। बावजूद इसके व्यवस्थाएं हर गुजरते साल के साथ बदतर होती जा रही हैं। हालांकि हर बार बारिश के पहले नगर निगम और नगरपालिकाएं कागजों पर सब कुछ दुरुस्त करने का दावा करती हैं। यही हाल राजधानी का है। जल निकासी व्यवस्था सही नहीं होने के कारण बारिश में यहां की तमाम सड़कें लबालब हो जाती हैं। नाले उफना कर सड़कों पर बहने लगते हैं। पुराने लखनऊ की हालत और भी खराब है। यहां निचले इलाकों में सामान्य मौसम में भी जलभराव और गलियों में कीचड़ से लोगों को दो-चार होना पड़ता है। जलभराव के कारण इन इलाकों में संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ जाता है। कई इलाकों से डायरिया फैलने की सूचनाएं मिल रही हैं और इसका प्रमुख कारण दूषित जलापूर्ति को बताया जा रहा है। सड़कों का हाल और भी बुरा हो चुका है। कई सड़कों पर गड्ढे बन चुके हैं और जलभराव के कारण ये दिखायी नहीं देते। इसके कारण दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। जब लखनऊ में यह हाल है तो प्रदेश के अन्य शहरों की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। जाहिर है इस अव्यवस्था के लिए संबंधित विभागों की लापरवाही जिम्मेदार है। हैरानी की बात यह है कि सरकार के कड़े आदेशों के बावजूद हालात में परिवर्तन होता नहीं दिख रहा है। यदि सरकार वाकई शहरों को दुरुस्त रखना चाहती है तो उसे न केवल संबंधित विभागों को जवाबदेह बनाना होगा बल्कि लापरवाह कर्मियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई भी करनी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

घटी है भूख की चुनौती

जयंतीलाल भंडारी

हाल में संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रकाशित द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड रिपोर्ट-2022 के अनुसार, जहां दुनिया में भुखमरी की चुनौती बढ़ रही है वहीं भारत में यह कम हो रही है। 2019 में दुनिया में 61.8 करोड़ लोगों को पर्याप्त पोषण युक्त भोजन नहीं मिलने से भुखमरी का सामना करना पड़ा। 2021 में यह संख्या बढ़कर 76.8 करोड़ हो गयी। भारत में पिछले 15 साल में भूख से जंग में थोड़ा सुधार हुआ है। 2004 में भारत की 24 करोड़ आबादी कुपोषित थी, 2021 में यह संख्या 22.4 करोड़ पर आ गयी।

वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के कार्यकारी निदेशक डेविड बस्ली ने कहा कि भारत ने दुनिया में खाद्यान्न की सुचारु आपूर्ति करके जरूरतमंद देशों में भूख की चुनौती को कम किया है। वहीं वैश्विक भूख संकट चिंताजनक ढंग से बढ़ रहा है। दुनिया के 45 देशों में करीब पांच करोड़ लोग अकाल के कगार पर हैं। भुखमरी की बड़ी वजह लगातार बढ़ता जलवायु संकट है। रूस-यूक्रेन युद्ध से निर्मित खाद्यान्न की भारी कमी भी बड़ा कारण है। भोजन की बर्बादी भी एक अहम कारण है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के अनुसार दुनिया में उत्पादित लगभग एक तिहाई से अधिक भोजन हर साल बर्बाद होता है। वर्तमान में 23 देशों द्वारा खाद्यान्न निर्यात पर लगाये गये प्रतिबंधों के कारण खाद्यान्न संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में अब वैश्विक भुखमरी की समस्या और बढ़ेगी। बढ़ते वैश्विक भूख संकट के दौर में भारत में भूख की चुनौती में कुछ कमी दिख रही है, उसके लिए भारत की तीन अनुकूलताएं स्पष्ट हैं। एक, गरीबों के सशक्तीकरण की कल्याणकारी योजनाएं और गरीबी में कमी आना। दूसरा, कृषि क्षेत्र में सुधार तथा खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना और तीसरा, भूख और कुपोषण दूर करने की प्रभावी योजनाएं. जैसे-जैसे गरीबी की दर में कमी आती है, वैसे-वैसे भुखमरी में भी गिरावट आती है।

हाल के वर्षों में गरीबों के कल्याण और विकास का नया अध्याय लिखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा गरीबों, किसानों और कमजोर वर्ग के करोड़ों लोगों को नकदी हस्तांतरण किया गया। लोगों के बैंक खातों में डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी) से 23 लाख करोड़ रुपये जमा कराये गये हैं। बावन मंत्रालयों की ओर से संचालित 300 सरकारी योजनाओं का लाभ डीबीटी से लाभार्थियों तक पहुंचने से गरीबों का सशक्तीकरण हो रहा है। इसी वर्ष विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा प्रकाशित पॉलिसी रिसर्च पेपर्स में कहा गया है कि हाल के वर्षों में भारत में गरीबी घटी है। विश्व बैंक के रिसर्च पेपर में कहा गया है कि देश में 2011 में अति गरीबी की दर 22.5 प्रतिशत थी वह 2015 में 19.1 प्रतिशत रह गयी। 2019 में यह दर मात्र 10 प्रतिशत रह गयी। इसमें लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था का अध्ययन शामिल नहीं है, वहीं अप्रैल 2022 में प्रकाशित आईएमएफ के रिसर्च पेपर में कोविड की पहली लहर के प्रभावों को भी शामिल किया गया है। मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम ने लॉकडाउन के प्रभावों की गरीबों पर मार को कम करने में अहम भूमिका निभायी है। भारत में भूख के मोर्चे पर सुधार के पीछे पिछले सात-आठ वर्षों में कृषि विकास का बढ़ना महत्वपूर्ण कारण है। तीन वर्षों में कृषि ही ऐसा क्षेत्र रहा है, जिसमें विकास दर नहीं घटी है। खाद्यान्न उत्पादन बढ़ रहा है। चालू फसल वर्ष 2021-22 के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.45 करोड़ टन रहेगा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37.7 लाख टन अधिक है।

देश में भूख और कुपोषण दूर करने के लिए लागू की गयी विभिन्न सरकारी योजनाएं मसलन सामुदायिक रसोई, वन नेशन, वन राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना, पोषण अभियान, समग्र शिक्षा जैसी योजनाएं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से गरीबी के स्तर में कमी और भुखमरी की चुनौती को कम करने में सहायक रही हैं। देश को भुखमरी की चुनौती से बचाने के लिए अभी बहुत अधिक कारगर प्रयासों की जरूरत बनी हुई है। कृषि क्षेत्र में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के अधिक प्रयास जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र की %द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड रिपोर्ट के मद्देनजर, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा देश के करोड़ों लोगों को भूख की चुनौती से बाहर लाने के लिए रणनीतिक कदम आगे बढ़ाये जायेंगे। उम्मीद करें कि सरकार द्वारा सामुदायिक रसोई की व्यवस्था को मजबूत बनाकर उन जरूरतमंदों के लिए भोजन की कारगर व्यवस्था की जायेगी। गरीबी, भूख और कुपोषण खत्म करने को पोषण अभियान-2 को कारगर बनाया जायेगा।

कहां तुम चले गए

ब्रजेश राजपूत

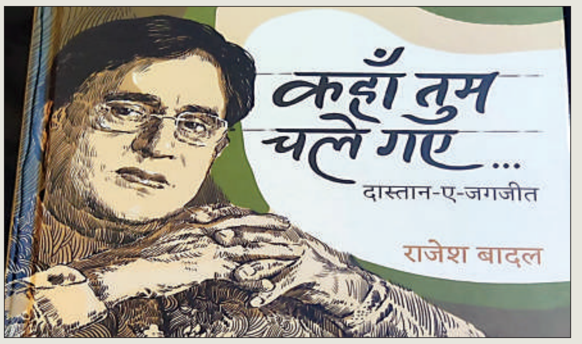

लोग कहते हैं कि इस जगजीत को तो हमने पहले कभी सुना ही नहीं। जगजीत के मुंबई के संघर्ष के किस्से उस दौर के साथी उनसे किए वादे सब कुछ को इस किताब में अच्छे से पिरोया गया है। लेखक ने बताया है कि उस दौर के सभी बड़े कलाकार जगजीत को अपने घर की प्राइवेट पार्टियों में गवाने के लिये तो बुलाते थे मगर काम नहीं देते थे। जगजीत ने मुंबई में अपने शुरुआती दिन इन्हीं पार्टियों में गाकर-नाच कर गुजारे।

गजल का नाम लेते ही जेहन में नाम आता है जगजीत सिंह का। जगजीत सिंह को इस दुनिया से गये तीन महीने बाद ग्यारह साल हो जाएंगे मगर लगता ही नहीं कि वो इस संसार में नहीं है क्योंकि हर दूसरे तीसरे दिन उनकी आवाज में गायी गजल सुनने या गुनगुनाने को मिल जाती है। ऐसे में जब वरिष्ठ पत्रकार और फिल्मकार राजेश बादल अपनी किताब का नाम कहां तुम चले गए दास्तान ए जगजीत लिखते हैं तो मन में ऐतराज सा जागता है और दिल कहता है जगजीत कहीं नहीं गये वो यहीं हैं।

जगजीत सिंह की जिंदगी से जुड़े किस्सों की ऐसी किताब की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी क्योंकि जगजीत सिंह ने गजल को प्राइवेट पार्टियों और कुछ खास लोगों की बैठक से निकाल कर बडे मंच और फिल्मी परदे तक पहुंचाया फिर आम जनता के इस प्रिय गायक की जिंदगी पर लिखा पढ़ा जाने लायक इतना कम क्यूं हैं। यह किताब इस कमी को कुछ हद तक पूरी करती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर के सिख अमर सिंह और बच्चन कौर के सात बच्चों के परिवार में आठ फरवरी 1941 को जगमोहन का जन्म होता है। जिसका नाम परिवार के गुरुजी के कहने पर जगजीत सिंह हो जाता है। और यही जगजीत श्रीगंगानगर के स्कूली पढ़ाई कर कॉलेज में पढ़ने जालंधर जाता है और बाद में मुंबई पहुंचकर फिल्मों में गायन में किस्मत आजमाते आजमाते फिल्म और गायकी की दुनिया में बेशुमार नाम कमाता है। जगजीत सिंह को उनके पिता ने बचपन से ही गुरबानी और शबद गाने के लिये शास्त्रीय संगीत की शिक्षा और संस्कार डलवाए थे। यही वजह थी कि जब जगजीत की गायकी की रेंज बहुत विस्तृत और कई दफा चौंकाने वाली होती है। लोग कहते हैं कि इस जगजीत को तो हमने पहले कभी सुना ही नहीं। जगजीत के मुंबई के संघर्ष के किस्से उस दौर के साथी उनसे किए वादे सब कुछ को इस किताब में अच्छे से पिरोया गया है।

जगजीत सिंह की दास्तान-ए-जिंदगी, राजेश बादल की कलम से

लेखक ने बताया है कि उस दौर के सभी बड़े कलाकार जगजीत को अपने घर की प्राइवेट पार्टियों में गवाने के लिये तो बुलाते थे मगर काम नहीं देते थे। जगजीत ने मुंबई में अपने शुरुआती दिन इन्हीं पार्टियों में गाकर-नाच कर गुजारे। वो अपने दोस्तों से कहते थे यार ऐसी पार्टियों में इसलिए जाता हूं कि खाना-पीना मिल जाता है और बड़े लोगों से पहचान बढ़ जाती है मगर काम मिलना कठिन होता है। मगर उनकी प्रतिभा ज्यादा दिन छिपी नहीं रह सकी। पहले कुछ फिल्मों के गाने एक दो फिल्म में थोड़ा बहुत काम और बाद में वो जब गजल की दुनिया में उतरे तो जग जीत कर ही लौटे। जगजीत को गुलजार गजलजीत सिंह ही कहा करते थे। इस किताब में जगजीत सिंह के पारिवारिक जीवन के सुख-दुख का भी बेहद संजीदगी से चित्रण किया गया है। चित्रा से मुलाकात, चित्रा की पुरानी जिंदगी, इस जोड़ी के जवान बेटे विवेक की मौत के बाद परिवार में आया गम और उस गम से उबरना जगजीत सिंह की जिंदगी के इन उतार-चढ़ाव को भी लेखक ने विस्तार से लिखा है जो कई जगह दिल को छू जाता है। जगजीत सिंह की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही कि उन्होंने गजल गायकी में ढेर सारे प्रयोग कर उसे इतना आसान और कर्णप्रिय कर दिया कि अमीरों की गजल आम जनता की हो गयी। जगजीत के सारे अलबमों की खासियत उनकी आसान और सुरीली गजलें रहीं जो आज भी गुनगुनाई जा रहीं है। इस किताब में जगजीत की गायकी के अलावा उनकी जिंदादिली और उदारता के भी किस्से हैं। जगजीत कैसे मुंबई की सड़कों पर मदद करने निकलते थे और बेटी की शादी के नाम पर कार्यक्रम का निमंत्रण देने वालों को मिठाई के डिब्बे में रुपए देकर विदा कर देते थे। घुड़सवारी और घोड़ों के प्रति जगजीत सिंह का प्रेम, उनके नए गायकों और शायरों से रिश्तों की भी इस किताब में विस्तार से चर्चा की गयी है। राजेश बादल ने जगजीत की जिंदगी से जुड़े अनेक लोगों से मिलकर जो किस्से कहानियां जुटाए हैं, वे इस किताब की जान है। जगजीत सिंह के पुराने रिकार्ड्स और अलबम के बारे में भी लेखक ने अच्छी जानकारी जुटाई है।

दरअसल, लेखक राजेश बादल ने अपने राज्य सभा टीवी के दिनों में जगजीत सिंह पर जब फिल्म बनाई थी उस दौरान हुयी उनकी रिसर्च इस किताब के काम आई और इस किताब की भाषा भी बहुत कुछ चित्र वाली है। इस किताब में जगजीत सिंह की जिंदगी से जुड़े कुछ अच्छे और दुर्लभ फोटोग्राफ भी हैं। इस तरह से राजेश बादल की यह किताब कहां तुम चले गए जगजीत सिंह के चाहने वालों के लिये बेशकीमती तोहफे से कम नहीं है। किताब का प्रकाशन मंजुल पब्लिशिंग हाउस से किया गया है और यह एमेजान पर भी उपलब्ध है।

कहीं मॉनसून में बालों की चमक न पड़ जाए फीकी

बरसात के मौसम में बाहर घूमने में तो बहुत मजा आता है, लेकिन बारिश का पानी बालों की सेहत बिगाड़ देता है। बारिश के मौसम में बाल टूटने और झड़ने की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में मॉनसून में बालों को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। बरसात के मौसम में भी अपने बालों को हेल्दी बनाए रखने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

साफ पानी से धोएं बाल

यदि आपके बाल बारिश के पानी में भीग गए हैं तो घर आने के बाद तुरंत बालों को साफ पानी से धोएं। क्योंकि बारिश के पानी में प्रदूषण और एसिड होते हैं जो बालों को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। धोने के बाद बालों को अच्छी तरह सुखा लें, वरना नमी से बाल और झड़ेंगे।

केमिकल फ्री शैंपू

इस मौसम में डैंड्रफ की वजह से भी बाल ज्यादा झड़ते हैं, इसलिए बालों की सफाई का खास ध्यान रखें, लेकिन हमेशा केमिकल फ्री माइल्ड शैंपू ही इस्तेमाल करें। केमिकल वाले शैंपू बालों के लिए नुकसानदेह होते हैं। हो सके तो बालों में नेचुरल मेहंदी लगाएं इससे बालों का झरना भी कम होता है।

स्टाइलिंग प्रोडक्ट से रहें दूर

इस मौसम में स्टाइलिंग प्रोडक्ट का कम से कम इस्तेमाल करें या उनसे दूर रहें तो ही अच्छा है। क्योंकि इनमें मौजूद केमिकल बालों को और रुखा और बेजान बना देते हैं।

आजमाएं ये घरेलू नुस्खे

बाल यदि ज्यादा झड़ रहे है तो आप निम्न घरेलू नुस्खे भी अपना सकती हैं।

प्याज का रस

प्याज में सल्फर होता है जो बालों का झड़ना कम करता है। प्याज को काटकर मिक्सर में पीस लें और उसका रस निकालें। इस रस में थोड़ा-सा नारियल तेल मिलाकर स्कैल्प पर लगाएं। आधे घंटे बाद बाल धो लें।

मेथी

मेथीदाने रातभर पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे गाढ़ी दही में मिलाकर बालों और स्कैल्प में लगाएं। थोड़ी देर बाद बाल धो लें। इससे रूसी और स्कैल्प की अन्य समस्याएं दूर हो जाएंगी। दरअसल, मेथी में निकोटिनिक एसिड और प्रोटीन पाया जाता है जो बालों की जड़ों को मजबूती देता है।

करीपत्ता

करीपत्ते के इस्तेमाल से बाल झड़ने की समस्या से निजात मिलती है। इसके लिए थोड़ा सा करीपत्ता नारियल तेल में तब तक उबालें जब तक पत्ता काला न हो जाए। फिर तेल छानकर इसे बालों की जड़ों में लगाएं।

उड़द की दाल

उड़द की दाल भी बालों को मजबूत बनाती है। उड़द की दाल को उबाल कर पीस लें और रात में सोने से पहले इस लेफ को सिर पर लगाइए। कुछ दिनों तक ऐसा करने से झड़े बाल दोबारा निकल आते हैं।

कहानी — मकड़ी की सीख

एक बार दो राजाओ के बीच युद्ध छिड़ गया। उनमें से एक राजा पराजित हो गया। वह जंगल की ओर भाग गया। उसने एक गुफा में शरण ली। विजयी राजा ने उसका पीछा करने के सैनिक भेजे। वह उसे जान से मार डालना चाहता था। पराजित राजा बहुत बहादुरी से लड़ा था। पर उसकी सेना थोड़ी थी। शत्रु की विशाल सेना ने उसकी छोटी सी सेना को हरा दिया था। मजबूर होकर अपनी जान बचाने के लिए उसे जंगल मे भागना पड़ा। वह बहुत दु:खी हो गया और हिम्मत हार बैठा। एक दिन उदास होकर राजा गुफा में लेटा हुआ था। तभी उसका ध्यान एक छोटी-सी मकड़ी की ओर गया। वह गुफा की छत के एक कोने में जाला बुनने का प्रयत्न कर रही थी। वह सरपट दीवार पर चढ़ती। बीच में जाले का कोई धागा टूटता और वह जमीन पर आ गिरती। बार-बार यही होता रहा पर मकड़ी हिम्मत नहीं हारी। वह बार-बार प्रयास करती रही। आखिरकार जाला बुनते-बुनते वह छत तक पहुंचने में सफल हो गयी। उसने पूरा जाला बुन-कर तैयार कर दिया। राजा ने सोचा, यह रेंगनेवाली नन्ही-सी मकड़ी बार-बार असफल होती रही, लेकिन इसने प्रयास करना नहीं छोड़ा। मैं तो राजा हूं। फिर मैं प्रयास करना क्यों छोड़ दूं। मुझे फिर से प्रयत्न करना चाहिए। उसने दुश्मन से एक बार फिर युद्ध करने का निश्चय किया। राजा जंगल से बाहर निकलकर अपने विश्वासपात्र सहयोगियों से मिला। उसने अपने राज्य के शूर-वीरो को एकत्र किया और शक्तिशाली सेना खड़ी की। उसने पूरी ताकत से दुश्मन पर चढ़ाई कर दी। वह वीरता पूर्वक लड़ा। आखिरकार उसकी विजय हुई। उसे अपना राज्य वापस मिल गया। राजा उस मकड़ी को जिंदगी भर नहीं भूल सका, जिसने उसे सदा प्रयास करते रहने का सबक सिखाया था। जीने की उम्मीद जताई थी कि हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए।

शिक्षा:-असफलताओं से जूझने वालों को एक दिन सफलता अवश्य मिलती है।

हंसना मना है

यकीन नहीं आ रहा, जिस देश में धन वर्षा यंत्र मात्र 2,100 रुपये में मिलता हो उस देश में आर्थिक मंदी कैसे आ सकती है।

टीचर: भारत की सबसे खतरनाक नदी कौनसी है। स्टूडेंट: जी सर, भावना। टीचर: कैसे। स्टूडेंट: क्योंकि सब इसमें बह जाते हैं।

हमारे बचपन में 3जी और 4 जी नहीं होते थे। सिर्फगुरु जी और पिताजी होते थे उनके एक ही थप्पड़ में सारे नेटवर्क आ जाते थे।

टीचर: सेमेस्टर सिस्टम से क्या फायदा है। स्टूडेंट: फायदे का तो पता नहीं लेकिन बेइज्जती साल में दो बार हो जाती है।

वर्कर: बॉस, आप ऑफिस में शादीशुदा आदमियों को ही क्यों रखते हैं। बॉस: क्योंकि उन्हें बेइज्जती सहने की आदत होती है और घर जाने की जल्दी भी नहीं होती है।

10 अंतर खोजें

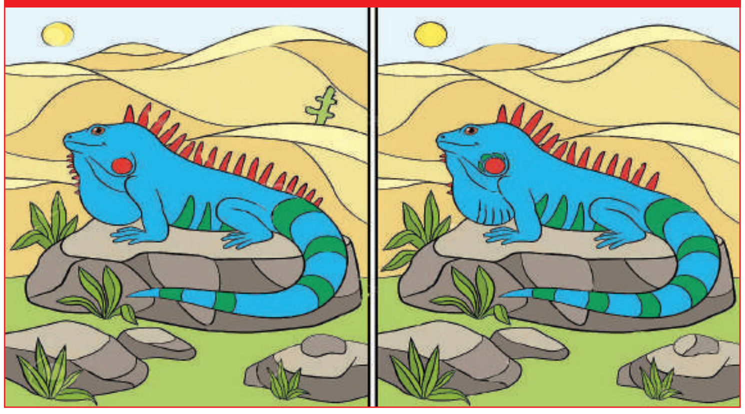

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
अध्यात्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृषभ
आर्थिक उन्नति के लिए नए विचार मन में आएंगे। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। समाजसेवा की प्रेरणा मिलेगी।

मिथुन
डूबी हुई रकम प्राप्ति के प्रबल योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार-व्यवसाय से लाभ बढ़ेगा। नए काम मिल सकते हैं।

कर्क
लेन.देन में जल्दबाजी हानिकारक रहेगी। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्ययवृद्धि होगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। कारोबार अच्छा चलेगा।

सिंह
रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होने की संभावना है। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। निवेश इत्यादि लाभदायक रहेगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

कन्या
भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। नए मित्र बनेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

तुला
किसी मित्र या रिश्तेदार की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। व्यवसाय से लाभ बना रहेगा।

वृश्चिक
वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी हानिकारक होगी। भावना पर नियंत्रण रखें। कारोबार, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे।

धनु
संगीत इत्यादि रचनात्मक कार्यों में रुचि जागृत हो सकती है। पठन-पाठन व लेखन इत्यादि कार्यों में लगन व उत्साह से कार्य कर पाएंगे।

मकर
कोई बड़ा सौदा बड़ा लाभ दे सकता है। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। निवेश में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कुम्भ
कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार पर व्यय होगा। दुष्टजनों से सावधान रहें।

मीन
चोट व दुर्घटना से शारीरिक कष्ट की आशंका है, लापरवाही न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। भावना में बहकर कोई निर्णय न लें। घर में व्यय होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने स्टार्स का सिस्टम ही बदल दिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान जल्द ही ओटीटी स्पेस में अपना दमखम दिखाने के लिए आ रही हैं। सुजॉय घोष की फिल्म डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। करीना कपूर खान की यह ओटीटी डेब्यू फिल्म होगी। इसे लेकर एक्ट्रेस बेहद ही एक्साइटेड हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि इस प्लेटफॉर्म ने पूरा स्टार्स का सिस्टम ही बदल दिया है। रातोरात कब कौन स्टार बन जाए, नहीं पता है। आज के समय में स्टारडम और सक्सेस मायने नहीं रखती है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने कहीं न कहीं हमारी ऑडियन्स को स्पॉइल किया है। इस प्लेटफॉर्म पर इतने विकल्प जो आ गए हैं। करीना कपूर खान जल्द ही आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा में नजर आएंगी। फिल्म 11 अगस्त को रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस को भरोसा है कि यह फिल्म कमिशयली सक्सेसफुल होगी, क्योंकि यह काफी इमोशनल फिल्म है। हालांकि बतौर स्टार हो जाने से आज के समय में आप फिल्म को सक्सेसफुल नहीं बोल सकते या फिल्म सक्सेसफुल कर भी नहीं सकते, लेकिन फिर भी कुछ उम्मीद बाकी है। करीना कपूर खान ने कहा, आज के समय में स्टार्स अपने ऊपर पर हैं। कोई जानता ही नहीं है कि क्या चल रहा है। हमें किस डायरेक्शन में जाना चाहिए। हमें स्क्रिप्ट्स और कॉन्टेंट, पढ़ने और राइटिंग पर ध्यान देना चाहिए। ऐसे में सारे ही एक्टर्स सेफ होंगे। अगर हम सिर्फ इसी एक बात पर फोकस करेंगे कि स्टार्स और उनके स्टारडम को किस तरह किसी प्रोजेक्ट के जरिए आगे बढ़ाएं तो हम सक्सेसफुल नहीं होंगे। लोग अब कॉन्टेंट देखना चाहते हैं जो कोविड के बाद से पूरी तरह बदल भी गया है।

लीक हुआ अल्लू अर्जुन का 'पुष्पा 2' वाला लुक!

फैंस बोले- इस बार भी फायर है ये फ्लावर

साउथ | मसाला

साउथ के स्टाइलिश सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को रीजनल सिनेमा का ट्रेंडसेटर माना जाता है। एक एक्टर के स्वैग, डांस मूव्स के लिए लोग दीवाने हैं। इस साल की शुरूआत में इन्हें फिल्म पुष्पा द राइज के रूप में एक ब्लॉकबस्टर फिल्म दी। हिन्दी बेल्ट में भी पुष्पा 1 ने करीब 100 करोड़ से ऊपर की कमाई करके रिकॉर्ड बनाया। दर्शक बेसब्री से पुष्पा के सेकंड पार्टी का इंतजार कर रहे है। फैंस के लिए एक खुशखबरी है अल्लू अर्जुन का लेटेस्ट लुक वायरल हुआ है।

हाल ही में अल्लू अर्जुन ने लेदर की जैकेट पहने, चौड़ी काली आईवियर और सिगार पकड़े हुए अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर को देख आप समझ ही जाएंगे कि अल्लू अर्जुन को स्टाइलिश क्यों कहा जाता है। अल्लू अर्जुन ने अपनी इस तस्वीर को एक वॉर्निंग कैप्शन के साथ शेयर किया है। उन्होंने लिखा, सावधान- सिगार धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। डीजे स्टार के फैंस उनकी नई पोस्ट को लेकर क्रेजी हो गए हैं। सोशल मीडिया पर अल्लू अर्जुन का ये लुक काफी वायरल हो रहा है। एक फैन ने लिखा- आप मेरी हेल्थ के लिए हानिकारक हैं... तो वहीं दूसरे ने लिखा- आपने सिगार जलाया तो है ही नहीं। ज्यादातर को अल्लू का ये लुक उनकी फिल्म पुष्पा द रूल के लिए लगता है। फैंस उनकी लगातार तारीफ करते हुए लिख रहे है- इस बार भी पुष्पा फायर होने वाला है। तो दूसरे लिखा- पुष्पा 2 लुक। अल्लू अर्जुन फिलहाल पुष्पा 2 की तैयारियों में बिजी चल रहे हैं। फिल्म का दूसरा पार्ट अगली साल के शुरुआत तक आने की उम्मीद है। बता दें कि पुष्पा में अल्लू अर्जुन का किरदार लोगों को खासा पंसद आया। तो वहीं फिल्म के डायरेक्टर सुकुमार को इसका तीसरा पार्ट भी लेकर आने की सोच रहे हैं।

मौनी रॉय ने ढीली ढाली पीली ड्रेस पहन दिखाया सिंपल लुक

मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम पेज से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में मौनी ने येलो कलर की लॉन्ग ड्रेस पहनी है, जो दिखने में काफी ढीली-ढाली है। लेटेस्ट फोटोशूट में मौनी रॉय लाइट मेकअप में अपने बालों को खोल कर हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। मौनी ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ब्लूम बेबी ब्लूम अदाकारा की इन तस्वीरों पर रक्षंदा खान ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, भगवान.. मैंने इसे बेबी बंप पढ़ा, मुझे ऐसा लगता है कि ये लड़कियों की शादी के साइड इफेक्ट हैं। बता दें कि कई यूजर्स के ऐसे ही सवाल एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को लेकर किए

गए हैं। मौनी की इन फोटोज को फैंस ने काफी पसंद किया और उनके पोस्ट पर अब तक करीबन ढाई लाख लाइक्स किए जा चुके हैं। फिलहाल मौनी रॉय अपने अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन में लगी है जिसका नाम है ब्रह्मास्त्र, इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। इस फिल्म में अभिनेत्री मुख्य विलेन की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। ये फिल्म 9 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों पर रिलीज होने वाली है।

अजब-गजब | दोस्त के साथ महिला ने बैंक में किया घोटाला

तिजोरी में रद्दी कागज भर करोड़ों लेकर हुई फरार

दुनिया में आए दिन ठगी के कई मामले सामने आते हैं। छोटे-मोटे ठग तो चंद पैसों की हेर-फेर कर ही शांत हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामले ठगी में मिसाल बन जाते हैं। आज से चार साल पहले रुस में ठगी का एक ऐसा ही मामला देखने को मिला था। यहां एक खूबसूरत महिला ने अपने साथी के साथ उस बैंक में ही लूट कर ली थी, जहां वो कई सालों से काम कर रही थी। ना सिर्फ वो वहां काम करती थी, बल्कि बैंक के मालिकों में से एक थी। उसका साथी भी इसी बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में से एक था।

इनेसा ब्रांडेनबुर्ग का नाम ठगों की लिस्ट में काफी ऊपर आता है। उसने बैंक से करीब 67 करोड़ 49 लाख रुपए चुरा लिए और उनकी जगह कागज के टुकड़े तिजोरी में भर दिए। जब तक ठगी का ये मामला खुलता, तब तक इनेसा प्राइवेट जेट में देश से भाग चुकी थी। सालों तक उसकी तलाश की गई, जिसके बाद पिछले साल उसे सितंबर में स्पेन से पकड़ा गया। अब उसे वापस रूस सुनवाई के लिए लाया जा रहा है। इनेसा ने जनवरी 2018 में

इस ठगी को अंजाम दिया था। उसने ट्यूमेन के साइबेरियन बैंक ऑफ रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट से पैसे चुराए और देश से भाग निकली। मामला तब खुला जब बैंक के क्लर्क ने देखा कि तिजोरी में पैसों की जगह कागज के टुकड़े भरे हुए हैं। इसके बाद तुरंत इसकी जाँच की गई और सामने आया कि इनेसा ने सारे आपसी कागज से एक्सचेंज कर दिए थे और पैसों को स्पोर्ट्स बैग में भरकर बैंक से निकल गई थी। इस बात की जानकारी होने से पहले ही इनेसा प्राइवेट जेट पर बैठ देश छोड़ चुकी थी। इसे पिछले चार साल से ढूंढा जा रहा था। चेयरमैन संग की थी साजिश इनेसा के इस ठगी में वो अकेले नहीं थी। लूट के इस मामले में उसके साथ उसी बैंक के को-ऑनर और बोर्ड चेयरमैन रोमान्यता शामिल था। इनेसा की बैंक में जो पोस्ट थी, उसी की मदद से उसने एक्स्ट्रा कैश सप्लाई की रिक्वेस्ट डाली थी। इनेसा ने लोगों को कम इंट्रेस्ट पर पैसे देकर उनका ध्यान आकर्षित करने की स्किम बैंक के सामने रखी थी। इस तरह उसने एक्स्ट्रा पैसों तक अपनी पहुंच बनाई थी। ठगी के इस मामले में पहले ही तीन गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। अब इनेसा को सुनवाई के लिए रुस लाया गया है।

धरती पर ये है एलियंस की पसंदीदा जगह, अब तक डेढ़ लाख यूएफओ की हो चुकी है लैंडिंग!

एलियंस के होने या ना होने को लेकर आज से बहस नहीं चल रही है। ये मुद्दा काफी पुराना है। कुछ लोगों का कहना है कि जैसे पृथ्वी पर इंसान रहते हैं, वैसे ही दुनिया में कोई ऐसा ग्रह होगा, जहां एलियंस रहते हैं। इन एलियंस को पृथ्वी पर आकर इंसानों का अध्ययन करने के लिए भी जाना जाता है। हालांकि अभी तक ये साफ नहीं हो पाया है कि वाकई एलियंस होते भी हैं, या ये सिर्फ इंसान के मन का वहम और इमेजिनेशन है। अगर ये एलियंस होते हैं, तो ये पृथ्वी के किस हिस्से में रहते हैं? अगर एलियंस की थियोरी को सच माना जाए, तो अब एक्सपर्ट्स ने पृथ्वी पर उनकी पसंदीदा जगह का खुलासा किया है यानी वो जगह जहां एलियंस सबसे ज्यादा उतरते हैं। इस जगह का फैसला उनके सबसे ज्यादा किसी जगह पर दिखने के दावे के आधार पर किया गया है। ये जगह है अमेरिका का वॉशिंगटन। इस जगह पर अभी तक करीब डेढ़ लाख से अधिक बार यूएफओ देखे जाने का दावा किया गया है। ये आंकड़ा 1974 से दर्ज दावों के आधार पर है। ये आंकड़ा नेशनल यूएफओ रिपोर्टिंग सेंटर के रजिस्टर में दर्ज है। लॉकडाउन की शुरुआत में कई अमेरिकी रिटायर्ड ऑफिसर्स सामने आए थे। उन्होंने दावा किया था कि अमेरिकी सरकार को एलियंस के बारे में काफी कुछ पता है लेकिन वो दुनिया से जानकारी छिपा रही है। क्यों? इसका पता अभी तक नहीं चल पाया है। अमेरिका में भी खासकर वॉशिंगटन में हर एक लाख नागरिक में से 88 ने एलियंस देखने का दावा किया है। अभी तक के दर्ज रिकार्ड्स में यहां बीते कुछ सालों में डेढ़ लाख से ज्यादा यूएफओ उतर चुके हैं। इस आधार पर एक्सपर्ट्स ने इस जगह को एलियंस का पसंदीदा बताया है। आंकड़ों को जब डिटेल्स में खंगाला गया, तो ये पाया गया कि एलियंस की हलचल जुलाई के महीने में बढ़ जाती है। नेशनल यूएफओ रिपोर्टिंग सेंटर को अमेरिकी पुलिस, मिलिट्री, अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स, फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और वेदर फोरकास्टर्स द्वारा रिकॉगनाइज किया गया है।

सत्ता के लिए झूठ की राजनीति करती है भाजपा : अखिलेश

» महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जनता बेहाल

» लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को किया जा रहा कमजोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि सत्ता पर कब्जा और केवल सत्ता पर कब्जा भाजपा का प्रथम और अंतिम ध्येय है जिसके इर्द-गिर्द उसकी राजनीति घूमती रहती है। सत्ता पाने के लिए भाजपा किसी भी स्तर तक जाने में नहीं हिचकती है। भाजपा-आरएसएस का एकमात्र काम समाज को बर्बाद करने का है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का ताजा एजेंडा 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव में लोकतंत्र को हाशिये पर पहुंचाकर सत्ता में अपना वर्चस्व बनाए रखना है। इसके लिए चित्रकूट में इन दिनों भाजपा की मंथन, चिंतन, भोजन और विश्राम की कवायद चल रही है। यह चिंतन-मनन अपनी नाकामियों को छुपाने और जनता को अपने छल-बल से भ्रमित कर उससे वोट बटोरने तक सीमित है। भाजपा की केन्द्र सरकार के पास 8 साल में उपलब्धियों के नाम पर बताने को कुछ नहीं बचा है। भाजपा सरकार ने विकास की दिशा में एक भी कदम नहीं उठाया है। भाजपा विकास की चर्चा से परहेज करती है। भाजपा सत्ता के लिए झूठ फरेब की राजनीति करती है। कभी चित्रकूट तो कभी अयोध्या, काशी और मथुरा का मुद्दा उछालना एजेंडा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को जनता की चिंता नहीं है। भाजपा की कोई भी योजना जनहित में नहीं है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अन्याय से नौजवानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। भाजपा-आरएसएस के सांप्रदायिक एजेंडा से ही कट्टरपंथी संगठन उभर कर सामने आ गये हैं। भाजपा चिंतन-मंथन से दूर केवल भोजन-विश्राम के सहारे अपना स्वार्थ चिंतन करती है। विकास कैसे अवरूद्ध हो, इसके लिए वह तीन तिकड़म सिखाने के लिए ही प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करना प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व चित्रकूट में इस बात पर चिंतन-मनन करने नहीं बैठा है कि गरीबी के दलदल से गरीबों को कैसे निकाला जाए, बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को कैसे ठीक किया जाए, नौजवानों को रोजगार के अवसर कैसे मुहैया कराये जाएं और महंगाई, अपराध तथा भ्रष्टाचार से कैसे निजात पाई जाए बल्कि सत्ता में बने रहने के लिए क्या-क्या षड्यंत्र किये जाए चित्रकूट में इसका ही मंथन हैं। भाजपा जनता का सामना करने से दूर भागती है इसलिए उत्तर प्रदेश की जनता ने भी अब तय कर लिया है कि वह 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगी।

बारिश से सूखे के हालात, किसानों की मदद करे सरकार : गौरीशंकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» किसान नेता ने सरकार से की मांग

झांसी। झांसी मंडल में बारिश कम होने से सूखे के आसार नजर आने लगे हैं। किसान नेता गौरी शंकर विदुआ का कहना है कि सावन का महीना खत्म होने जा रहा है लेकिन पर्याप्त बारिश न होने से किसान खरीफ की दलहनी तिलहनी फसलें नहीं बो पाए हैं जिन किसानों ने किसी तरह अपने निजी संसाधनों से बुवाई कर दी है उनकी फसल तेज धूप व गर्म हवाओं के कारण उगी नहीं है। वहीं मौसम विशेषज्ञ का मानना है कि गर्म हवाओं के दबाव के चलते इस क्षेत्र में मानसून कमजोर हो गया है। इस वजह से बारिश कम होने के आसार लग रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बारिश न होने के कारण ही इस बार धान की बेड़ तक नहीं हो पाई है। बारिश के इंतजार में खेतों में धूल उड़ने लगी है। ऐसे में सरकार को किसानों की मदद करनी चाहिये। उन्होंने सरकार से किसानों से मदद की मांग की है। गौरतलब है कि बुंदेलखंड में 15 जून के बाद मानसून सक्रिय हो जाता है, लेकिन इस साल जून माह बिना बारिश के बीत गया और जुलाई में भी बेहद कम बारिश हुई है। पर्याप्त बारिश न होने के कारण किसान न तो अभी तक धान की नर्सरी डाल पाए और न ही खरीफ में पैदा होने वाली दलहनी तिलहनी फसलों की बुवाई कर पाएं हैं। झांसी मंडल में इस साल धान, ज्वार, बाजरा, मूंगफली, उड़द जैसी फसलें शामिल हैं।

भाजपा विधायक धीरेंद्र सिंह हादसे का शिकार हाथ की हड्डी टूटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश की जेवर विधान सभा सीट से भाजपा के विधायक धीरेंद्र सिंह अपने निर्वाचन क्षेत्र में साइकिल की सवारी के दौरान गिर गए, जिससे उनके हाथ की हड्डी टूट गई। हादसे के बाद उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भाजपा विधायक धीरेंद्र सिंह के एक सहयोगी देवेंद्र सिंह ने बताया कि 55 वर्षीय धीरेंद्र सिंह शनिवार शाम साढ़े सात बजे किशोरपुर गांव के पास अपनी साइकिल से सड़क पर निकले थे। उस समय बूंदा-बांदी हो रही थी और उनकी साइकिल पानी से भरे गड्ढे में गिर गई। इस घटना में उनके हाथ की हड्डी टूट गई। धीरेंद्र सिंह को जल्द ही ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने बताया कि उनके बाएं हाथ की हड्डी टूट गई है। विधायक अस्पताल में हैं और उनका ऑपरेशन किया जा रहा है।

अतिपिछड़ों की ताकत हैं नीतीश कुमार : ललन सिंह

» दूसरे दल बताएं क्या किया अतिपिछड़ा समाज के लिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने रविवार को कहा कि देश के राजनीतिक एवं सामाजिक विमर्श में अतिपिछड़ा के नाम पर कोई भी छद्म राजनीति करे या करने का अभिनय करे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही अतिपिछड़ा वर्ग के स्वाभिमान को ताकत दी है।

उन्होंने कहा कि पंचायतों में आरक्षण की बात हो, इस वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक उत्थान या फिर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से इस वर्ग के सामाजिक स्तर को ऊंचा करने की बात हो। यह सब काम नीतीश कुमार के नेतृत्व में हुआ है। देश के किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह एक आईना है। नीतीश कुमार ने सांसद रहते हुए यह कहा था कि पिछड़ों के आरक्षण को समाप्त करने की अगर साजिश हुई तो हम सड़क पर उतरेंगे। जदयू की मजबूती अतिपिछड़ा समाज की मजबूती है। दूसरे दलों की सरकारों से यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने अतिपिछड़ा समाज के लिए क्या किया?

धनंजय सिंह बने जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव

पूर्व सांसद धनंजय सिंह जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय महासचिव बनाए गए हैं। धनंजय सिंह इस बार विधान सभा चुनाव में भी जेडीयू के टिकट पर मल्हनी से चुनाव भी लड़े थे। हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। दो बार विधायक रहे धनंजय सिंह एक बार जौनपुर से सांसद भी रह चुके हैं। उनकी पत्नी श्रीकला धनंजय सिंह इस समय जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने पर धनंजय सिंह ने कहा कि वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह और मुख्यमंत्री बिहार नीतीश कुमार को इसके लिए धन्यवाद देते हैं। पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, वह उसका ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। शीर्ष नेतृत्व के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

अलीगढ़ में मिला मंकीपॉक्स का संदिग्ध मरीज, हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। केरल में मंकीपॉक्स संक्रमित मरीज की मौत के बाद यूपी में मंकीपॉक्स को लेकर अलर्ट जारी है। इस बीच अलीगढ़ में एक मंकीपॉक्स का संदिग्ध मरीज सामने आया है। दिल्ली से लौटे युवक में मंकीपॉक्स के कुछ लक्षण मिले हैं।

22 साल के एक युवक में मंकीपॉक्स जैसे लक्षण पाएं जाने से स्वास्थ्य विभाग की टीम एक्टिव हुई है।

» जांच के लिए सैंपल केजीएमयू भेजा गया

आनन-फानन सैंपल कलेक्ट करके जांच के लिए केजीएमयू भेज दिया गया है। 2 दिन में जांच रिपोर्ट आने की उम्मीद है। यूपी में अब तक मंकीपॉक्स के छह संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी है। अलीगढ़ में आया केस 7वां संदिग्ध है। हालांकि दिल्ली में मंकीपॉक्स केस मिलने के बाद लोगों में इस बीमारी को लेकर डर भी देखा जा रहा है। राहत की बात यह रही है कि अब तक सभी भेजे गए सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव है और प्रदेश में किसी रोगी में मंकीपॉक्स के संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है।

ग्राम पंचायतें बनेंगी मॉडल तेजी से होंगे विकास कार्य

पहले चरण में 150 ग्राम पंचायतों का किया गया है चयन, ग्राम पंचायतों को करना होगा स्वमूल्यांकन

गीताश्री

लखनऊ। गांवों में विकास कराकर उन्हें मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में तैयार किया जाएगा। इसके लिए पहले चरण में 150 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। योगी सरकार की इन गांवों को छह माह में मॉडल गांव बनाने की योजना है, ताकि अन्य गांवों को भी उसी तर्ज पर विकसित किया जा सके।

केंद्रीय पंचायतीराज मंत्रालय ने सतत विकास के लक्ष्यों को स्थानीय स्तर पर नौ बिंदुओं में बांटकर गांवों में कार्य कराने का निर्देश दिया है। प्रदेश के गांवों को पेयजल, स्वच्छता, जल संरक्षण, ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन आदि पर कार्य करते हुए राज्य व राष्ट्रीय स्तर के कई पुरस्कार मिल चुके हैं। अब इन्हीं कार्यों को एक साथ कराकर गांवों को मॉडल ग्राम पंचायत बनाया जाएगा। इसके तहत संरचनात्मक ढांचे के विकास

के साथ सामाजिक-आर्थिक व मानव विकास से संबंधित मानक तय किए गए हैं। इन बिंदुओं पर कार्य कराकर मॉडल ग्राम पंचायतों को खुद को आंकने के लिए स्वमूल्यांकन करना होगा, शत-प्रतिशत कार्य करने वाली पंचायतों को राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। मॉडल गांव बनाने के लिए सरकार की ओर से भेजे गए विभिन्न मदों का धन उपयोग किया जाएगा। छह माह में सभी मानकों को पूरा करने का निर्देश है। अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह ने मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को भेजे आदेश में लिखा है कि जिलों को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बनी जनपदीय क्रियान्वयन व समन्वय समिति इसके लिए उत्तरदायी होगी। हर बिंदु में 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरे होने पर उसे मॉडल गांव माना जाएगा।

विकास के नौ बिंदु

- सुशासित गांव
- साफ एवं हरा गांव
- गरीबी मुक्त बेहतर आजीविका वाला गांव
- बाल मैत्री गांव
- विकास में लैंगिक समानता वाला गांव
- पर्याप्त जल वाला गांव
- स्वस्थ ग्राम
- सामाजिक रूप से सुरक्षित गांव
- गांव में संरचनात्मक ढांचे की उपलब्धता

उमड़ा आस्था का सैलाब, हर-हर महादेव से गूंजे मंदिर

सावन के तीसरे सोमवार को लखनऊ में भक्तों ने की पूजा-अर्चना

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सावन के तीसरे सोमवार पर देश भर में शिवमंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ा रहा। राजधानी लखनऊ के मनकामेश्वर समेत तमाम मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की कतार लगी रही। श्रद्धालुओं ने इस मौके पर न केवल भगवान शिव का अभिषेक किया बल्कि विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर में हर-हर महादेव का जयकारा गूंजता रहा। दर्शनार्थियों को देखते हुए सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की गयी।

पौने दो साल में शानदार काम किया लखनऊ के पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने

- अपराधियों और तस्करों पर की गई ताबड़तोड़ कार्रवाई
- गरीबों के लिए निशुल्क वस्त्र केंद्र का किया था शुभारंभ
- महिला सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन रही बड़ी उपलब्धि

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने लखनऊ पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर समेत सात आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया है लेकिन बतौर पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने अपने पौने दो साल के कार्यकाल के दौरान राजधानी में शानदार काम किया है। उन्होंने न केवल अपराधियों और तस्करों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की बल्कि गरीबों की मदद और महिला सुरक्षा पर भी बेहतर काम किया।

जब 18 नवंबर 2020 में डीके ठाकुर ने राजधानी के पुलिस कमिश्नर का चार्ज संभाला था तो उनके सामने कानून व्यवस्था समेत कई चुनौतियां थीं। इन चुनौतियों को उन्होंने न केवल स्वीकार किया बल्कि पहले दिन से ही इसके सुधार में जुट गए। उन्होंने लंबित मामलों पर फोकस करने के साथ गश्त बढ़ाने और महिला सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए कारगर कदम उठाए। खास बात यह है कि जब से लखनऊ में कमिश्नरी लागू हुई थी वे एक ऐसे पुलिस कमिश्नर रहे जो प्रतिमाह दो से तीन बार हर थानों में पहुंचकर लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते थे और मातहतों को जरूरी दिशा-निर्देश देते थे। यही नहीं लंबित विवेचनाओं पर कितना काम हुआ इसकी भी समीक्षा वे लगातार करते थे। बतौर पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने राजधानी में महिलाओं और छात्राओं से छेड़छाड़, अभद्र टिप्पणी की शिकायतों को लेकर महिला हेल्पलाइन नंबर जारी किया था। साथ ही कड़े निर्देश दिए थे कि महिलाओं की शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही की जाए। इसका परिणाम यह हुआ कि पुलिस ने न केवल शोहदों को सबक सिखाया बल्कि छेड़छाड़ जैसे अपराधों पर लगाम लगी। इस हेल्पलाइन की वे प्रतिदिन खुद मानिटरिंग करते थे। उनके कमान संभालने का असर यह था कि खूंखार अपराधी लखनऊ से भाग खड़े हुए और तस्करों की यूपी में घुसने की हिम्मत नहीं होती थी। डीके ठाकुर के नेतृत्व में राजधानी की पुलिस व्यवस्था पूरी तरह सशक्त हुई और एक फोन पर वह तत्काल मौके पर पहुंचती थी।

डीके ठाकुर के जीवन का एक दूसरा पहलू भी रहा है। गरीबों को लेकर उनके मन में हमेशा हमदर्दी रहती थी। यही वजह है कि उन्होंने सर्दी के मौसम में पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर के कार्यालय में पुलिस वस्त्र सेवा केन्द्र का शुभारंभ किया था। इस केन्द्र में हर गरीबों को निशुल्क वस्त्र दिए जाते हैं।

एसबी शिरोडकर लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर

लखनऊ। प्रदेश में सरकार ने सात आईपीएस अफसरों के तबादले किए हैं। लखनऊ के पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर तथा कानपुर के पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा को हटाकर प्रतीक्षा सूची में डाला गया है। फिलहाल दोनों अधिकारी डीजीपी मुख्यालय से अटैच रहेंगे। लखनऊ के पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर की जगह एसबी शिरोडकर को लखनऊ का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। एसबी शिरोडकर एडीजी अभिसूचना के पद पर कार्यरत थे। कानपुर के पुलिस आयुक्त विजय सिंह मीणा की जगह पर बीपी जोगदंड को पुलिस कमिश्नर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं विजय कुमार डीजी सीबीसीआईडी बने। गोपाल लाल मीना डीजी को-ऑपरेटिव सेल और विजय कुमार मौर्य को डीजी होमगार्ड बनाया गया है।

संजय राउत के परिवार वालों से मिलने पहुंचे उद्धव ठाकरे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत की गिरफ्तारी के बाद आज महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, संजय राउत के घर पहुंचे। यहां उन्होंने उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। वहीं आज शिवसेना के कई विधायक और नेताओं के साथ इस मामले में पार्टी की बैठक हो सकती है।

देर रात संजय राउत को ईडी ने 9 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अब उन्हें आज एजेंसी ने अदालत में पेश किया गया है। ईडी ने रविवार को राउत के भांडुप आवास पर नौ घंटे से अधिक समय तक तलाशी ली। उपनगर में एक चॉल परियोजना के पुनर्विकास से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में पूछताछ के लिए उन्हें हिरासत में लिया था। ईडी के सूत्रों ने दावा किया कि राउत के आवास से 11.5लाख की नकदी बरामद की गई थी। इसके अलावा संजय के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज किया गया है।

सपा के पूर्व विधायक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में मुकदमा

- जांच रिपोर्ट के बाद यूपी विजिलेंस झांसी ने की कार्रवाई

4पीएम न्यूज नेटवर्क

झांसी। सपा से झांसी की गरौठा विधान सभा के पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में यूपी विजिलेंस झांसी ने मुकदमा दर्ज किया है ।

जांच रिपोर्ट में पाया गया कि दीपनारायण यादव ने विधायक रहते हुए अवैध तरीके आय से ढाई गुना अधिक 37 करोड़ 32 लाख 55 हजार 884 रुपये खर्च किए जो उनकी वैध कमाई से 23 करोड़ 2 लाख 24 हजार 400 रुपये ज्यादा बताई गई है। वहीं सपा नेता दीपनारायण अधिकारियों को इस संपत्ति का ब्यौरा भी नहीं दे सके। पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह पर आरोप है कि उन्होंने विधायक रहते हुए काली कमाई अर्जित की थी। दीपनारायण सपा से दो बार विधायक और मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। यूपी विजिलेंस झांसी यूनिट के इंस्पेक्टर शंभु तिवारी के मुताबिक, दीप नारायण सिंह यादव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में जांच चल रही थी। जांच अधिकारी के मुताबिक जांच में दीप नारायण को आरोपी मानते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 13 (1) बी और 13 (2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में अब आगे की जांच यूपी विजिलेंस की कानपुर सेक्टर यूनिट करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक ट्विन टावर गिराने के खिलाफ याचिका की खारिज

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा में 40 मंजिला सुपरटेक ट्विन टावर को ढहाए जाने के खिलाफ याचिका खारिज कर दी है। नाराज सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता संगठन पर 5 लाख का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने कहा है कि जुर्माने का उपयोग उन वकीलों के परिवार के लाभ के लिए किया जाना चाहिए जो कोरोना वायरस से प्रभावित हुए हैं।

नोएडा प्राधिकरण के वकील ने बताया कि पिछली बैठक के बाद से अब तक क्या-क्या हुआ है, इस पर हमने एक स्थिति रिपोर्ट दायर की है। एक बैठक 7 जून को और दूसरी 19 जुलाई को हुई थी। वकील ने कोर्ट को बताया कि एडिफिस इंजीनियरिंग ने आश्वासन दिया कि 21 अगस्त 2022 को दोपहर 2.30 बजे विध्वंस होगा। इन दोनों टावरों में 915 अपार्टमेंट हैं और 21 दुकानें हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 31 अगस्त 2021 को सुपरटेक को इन टावरों को तीन महीने के भीतर गिराने का आदेश देते हुए दो महीने के अंदर इनके खरीदारों को उनका पैसा वापस करने को कहा था।

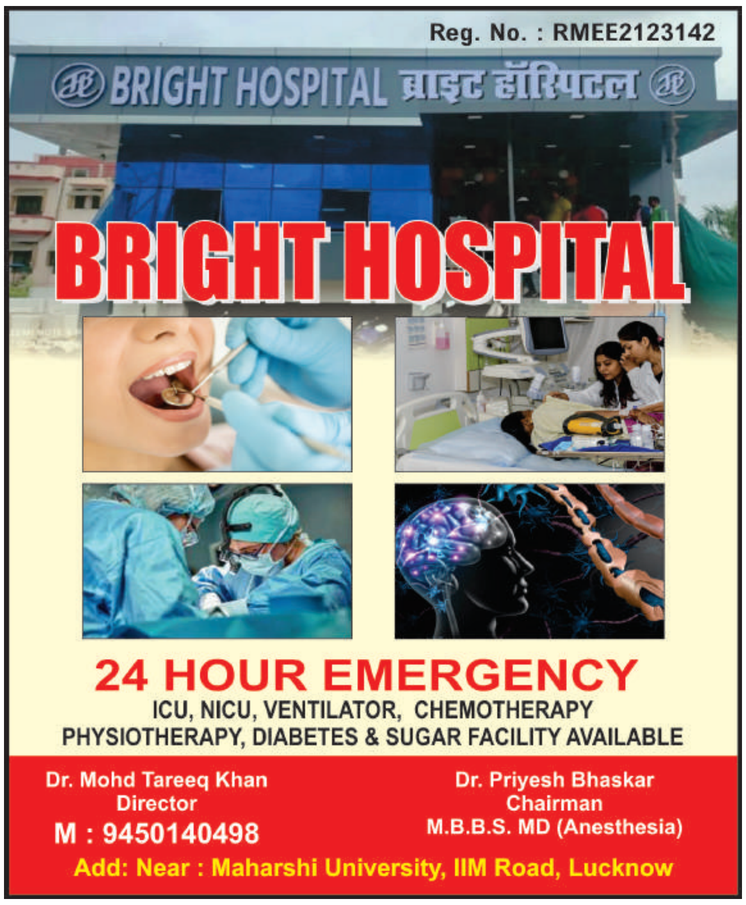

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।